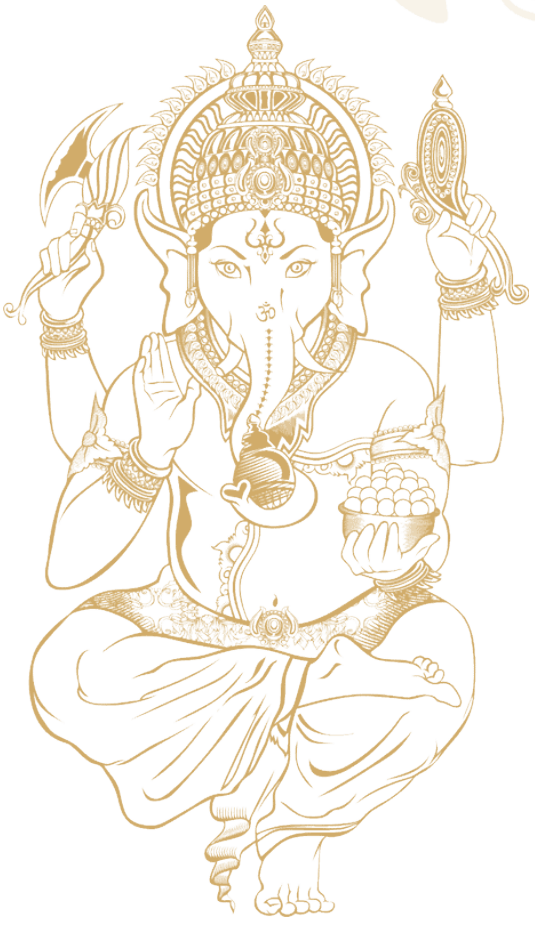

Anuradha charan

01 Jun 2005

03:28 AM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121502602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/06/2005**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:28:00 घंटे**
इष्ट	54:28:01 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:51:28 घंटे
वेलान्तर	00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	19:29:27 घंटे
सूर्योदय	05:40:47 घंटे
सूर्यास्त	19:27:52 घंटे
दिनमान	13:47:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:35:45 वृष
लग्न के अंश	06:55:19 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:55:19	472:55:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			वृष	16:35:45	00:57:31	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	04:50:54	13:35:00	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	28:12:06	00:42:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	वृष	13:32:34	02:11:03	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		कन्या	15:01:44	00:00:48	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	02:44:21	01:13:25	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			कर्क	00:35:48	00:06:18	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:48:25	00:01:15	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:48:25	00:01:15	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:45:12	00:00:41	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	23:38:06	00:00:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	29:35:33	00:01:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	26:44:44	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:51

लग्न-चलित

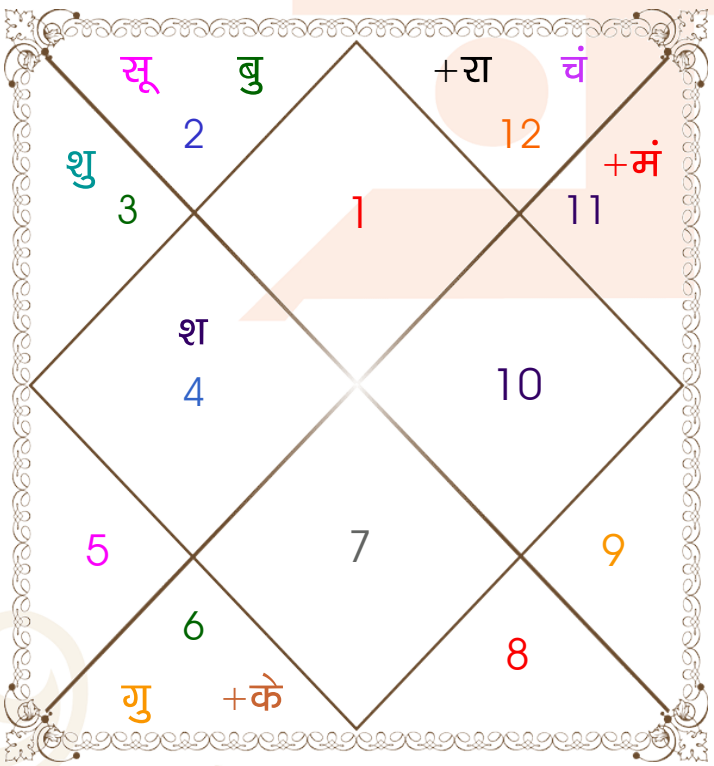

चन्द्र कुंडली

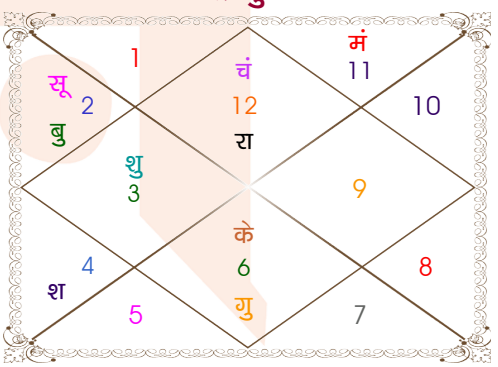

नवमांश कुंडली

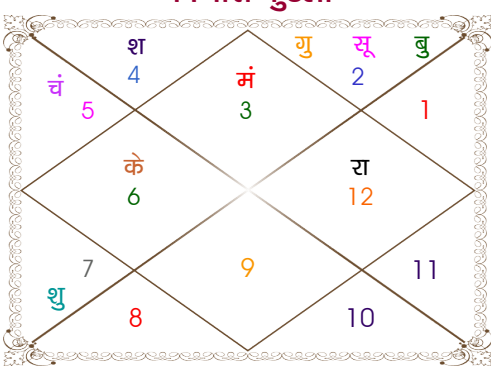

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 10 मास 2 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/06/2005		04/04/2022		04/04/2039		04/04/2046		04/04/2066	
04/04/2022		04/04/2039		04/04/2046		04/04/2066		03/04/2072	
शनि	07/04/2006	बुध	31/08/2024	केतु	31/08/2039	शुक्र	03/08/2049	सूर्य	22/07/2066
बुध	15/12/2008	केतु	28/08/2025	शुक्र	30/10/2040	सूर्य	04/08/2050	चंद्र	21/01/2067
केतु	24/01/2010	शुक्र	28/06/2028	सूर्य	07/03/2041	चंद्र	03/04/2052	मंगल	29/05/2067
शुक्र	26/03/2013	सूर्य	04/05/2029	चंद्र	06/10/2041	मंगल	04/06/2053	राहु	22/04/2068
सूर्य	08/03/2014	चंद्र	04/10/2030	मंगल	04/03/2042	राहु	03/06/2056	गुरु	08/02/2069
चंद्र	07/10/2015	मंगल	01/10/2031	राहु	23/03/2043	गुरु	02/02/2059	शनि	21/01/2070
मंगल	15/11/2016	राहु	19/04/2034	गुरु	27/02/2044	शनि	04/04/2062	बुध	27/11/2070
राहु	22/09/2019	गुरु	25/07/2036	शनि	07/04/2045	बुध	02/02/2065	केतु	04/04/2071
गुरु	04/04/2022	शनि	04/04/2039	बुध	04/04/2046	केतु	04/04/2066	शुक्र	03/04/2072

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/04/2072		04/04/2082		04/04/2089		05/04/2107		05/04/2123	
04/04/2082		04/04/2089		05/04/2107		05/04/2123		00/00/0000	
चंद्र	02/02/2073	मंगल	31/08/2082	राहु	16/12/2091	गुरु	23/05/2109	शनि	02/06/2125
मंगल	03/09/2073	राहु	19/09/2083	गुरु	10/05/2094	शनि	05/12/2111		00/00/0000
राहु	05/03/2075	गुरु	24/08/2084	शनि	16/03/2097	बुध	12/03/2114		00/00/0000
गुरु	04/07/2076	शनि	03/10/2085	बुध	04/10/2099	केतु	15/02/2115		00/00/0000
शनि	02/02/2078	बुध	30/09/2086	केतु	22/10/2100	शुक्र	16/10/2117		00/00/0000
बुध	04/07/2079	केतु	27/02/2087	शुक्र	23/10/2103	सूर्य	05/08/2118		00/00/0000
केतु	03/02/2080	शुक्र	28/04/2088	सूर्य	16/09/2104	चंद्र	05/12/2119		00/00/0000
शुक्र	03/10/2081	सूर्य	03/09/2088	चंद्र	18/03/2106	मंगल	10/11/2120		00/00/0000
सूर्य	04/04/2082	चंद्र	04/04/2089	मंगल	05/04/2107	राहु	05/04/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करती हैं। आप उच्चकोटि की महत्वाकांक्षी, महिला हैं। आप अपने उद्देश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाती हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेती हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देती हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करती हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगती हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगी।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) की प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नही रहती है। आप चाहती हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें। आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतीं। यद्यपि आप यह चाहती है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्तपर रहती हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहती हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आती हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखती हैं। आपका उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करते हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभाव्य है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायित्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायित्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेती हैं परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाती। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकती हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके जीवन के 20 वे वर्ष में आपके लिए भाग्यशाली समय प्रारंभ होगा। आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाले नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।